शेर और नन्हीं लाल चिड़िया

एलिसा क्लीविन

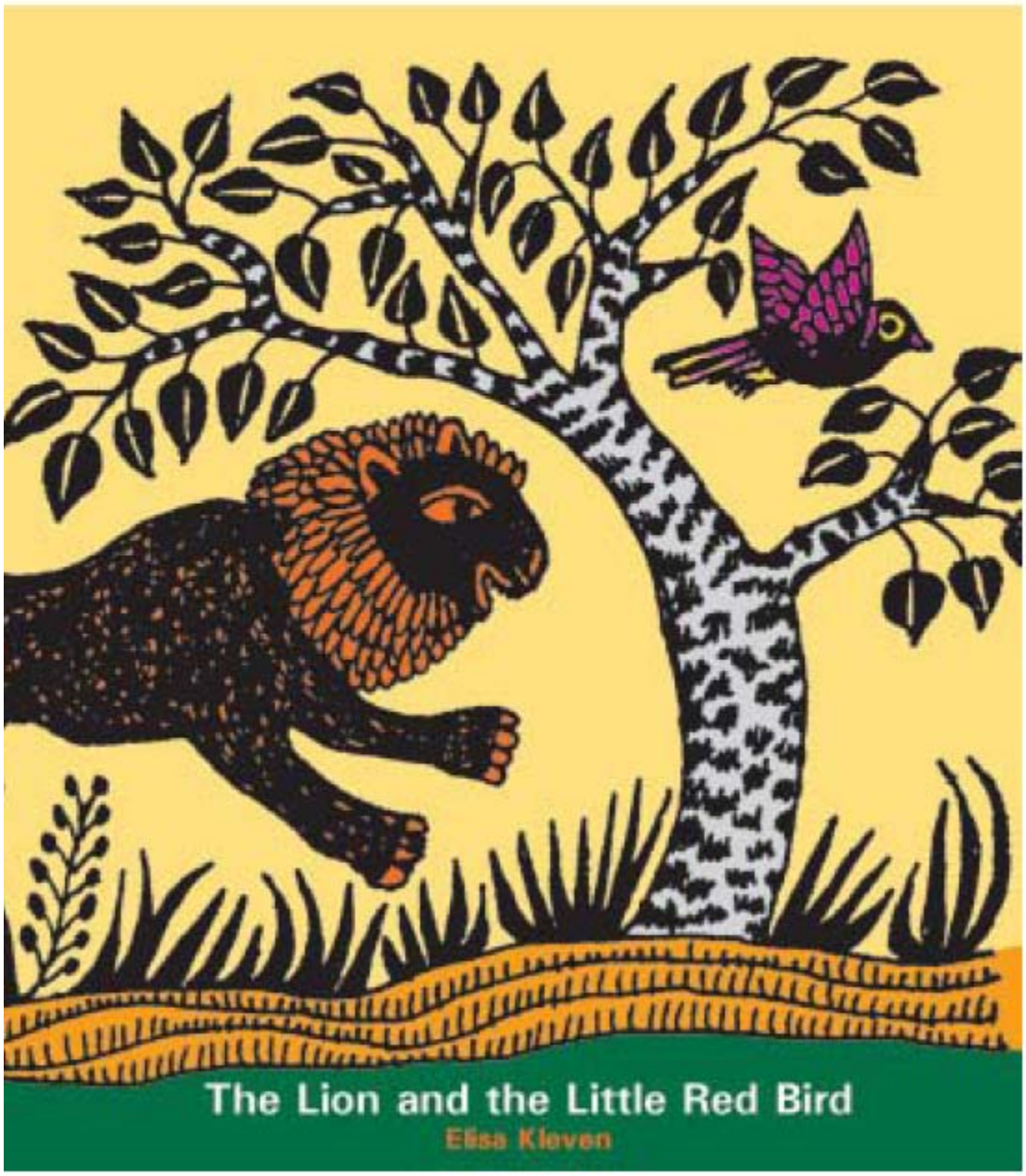

शेर और नन्हीं लाल चिड़िया

एलिसा क्लीविन

The Lion and the Little Red Bird

Elisa Kleven

भारत ज्ञान विज्ञान समिति

नव जनवाचन आंदोलन

इस किताब का प्रकाशन भारत ज्ञान विज्ञान समिति ने
'सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट' के सहयोग से किया है।
इस आंदोलन का मकसद आम जनता में
पठन-पाठन संस्कृति विकसित करना है।

शेर और नन्हीं लाल चिड़िया *एलिसा क्लीविन*	**The Lion and the Little Red Bird** *Elisa Kleven*
हिंदी अनुवाद अरविंद गुप्ता	*Hindi Translation* Arvind Gupta
कॉपी संपादक राधेश्याम मंगोलपुरी	*Copy Editor* Radheshyam Mangolpuri
रेखांकन कैरन हेडॉक	*Illustration* Karen Haydock
ग्राफिक्स अभय कुमार झा	*Graphics* Abhay Kumar Jha
कवर गॉडफ्रे दास	*Cover* Godfrey Das
प्रथम संस्करण अगस्त 2007	*First Edition* August 2007
सहयोग राशि 12 रुपये	*Contributory Price* Rs. 12.00
मुद्रण सन साइन ऑफसेट नई दिल्ली - 110 018	*Printing* Sun Shine Offset New Delhi - 110 018

Publication and Distribution

Bharat Gyan Vigyan Samiti

Basement of Y.W.A. Hostel No. II, G-Block, Saket , New Delhi - 110017

Phone : 011 - 26569943, Fax : 91 - 011 - 26569773

Email : bgvs_delhi@yahoo.co.in, bgvsdelhi@gmail.com

BGVS AUG 2007 2K 1200 NJVA 00035/2007

शेर और नन्हीं लाल चिड़िया

दोपहर का समय था।
नन्हीं लाल चिड़िया चहचहाती हुई
इधर–उधर फुदक रही थी।
अचानक उसे एक शेर दिखा।

The Lion and the Little Red Bird

One afternoon,
a little red bird saw a lion
with a bushy green tail,
as green as the forest.

उसने ऐसा शेर पहले कभी नहीं देखा था।
शेर की पूंछ हरे रंग की थी –
एकदम जंगल के पत्तों जैसी हरी।
चिड़िया ने इतनी अनूठी और सुंदर चीज
पहले कभी नहीं देखी थी।
वह शेर की हरी पूंछ को
देखकर बहुत खुश हुई।

The bird had never seen
anything so unusual
and so pretty.
Just looking at it made her happy.

"शेर, शेर," उसने पूछा,
"तुम्हारी पूंछ हरी क्यों है?"
शेर उस नन्हीं चिड़िया की बोली समझ नहीं पाया।
उसे लगा कि चिड़िया अपनी मस्ती में बस चहचहा रही है।
शेर केवल मुस्कराया।
फिर वह नारंगी फूलों वाले खेत में गया।
शेर ने कई नारंगी फूल तोड़े।

"Lion, Lion!" she said.
"Why is your tail so green?"
The lion didn't understand the bird's language.
He thought she was simply chirping.
He smiled at her
and wandered down
to a field of orange flowers.

फिर उसे एक नारंगी रंग की तितली दिखाई दी।
शेर बहुत देर तक उस तितली को पकड़ने
के लिए उसके पीछे-पीछे दौड़ता रहा।
नन्हीं चिड़िया को यह सब देखकर बहुत आश्चर्य हुआ।
इतनी देर में शाम हो गई।
पश्चिम में ढलते सूरज की नारंगी गेंद दिखाई देने लगी।
कुछ देर शेर उस नारंगी गेंद की ओर चलता रहा

The bird watched him roll and sniff
and chase butterflies,
then slowly walk west with the setting sun

और फिर अपनी गुफा में चला गया।
चिड़िया भी थक गई थी।
वह पास के एक पेड़ पर बैठकर सुस्ताने लगी।
वह शेर की पूंछ को दुबारा देखना चाहती थी।
परंतु शेर अपनी गुफा में से बाहर ही नहीं निकला।
इसलिए चिड़िया ने पेड़ पर एक नरम घोंसला बनाया।
फिर रात को वह उसी में दुबककर सो गई।

and disappear into a cave.
The bird waited on a tree nearby.
She wanted to see the lion's green tail again.
But the lion did not come out of the cave,
so the bird made herself a soft nest
and slept through the warm starry night.

सुबह को शेर अपनी पूंछ को
फटकारता हुआ गुफा से बाहर निकला।
उसकी पूंछ अब हरी नहीं, बल्कि एकदम नारंगी रंग की थी –
फूलों जैसी नारंगी, तितलियों
जैसी नारंगी, ढलते सूरज जैसी नारंगी।
"शेर, शेर," चिड़िया चहचहाई, "तुम्हारी पूंछ नारंगी क्यों है?"
शेर चिड़िया की बात को समझ न पाया।
वह चिड़िया को देखकर सिर्फ मुस्कराया
और फिर पहाड़ी पर चढ़ गया।
वहां से वह एक ऊंचे शिखर पर चढ़ा।

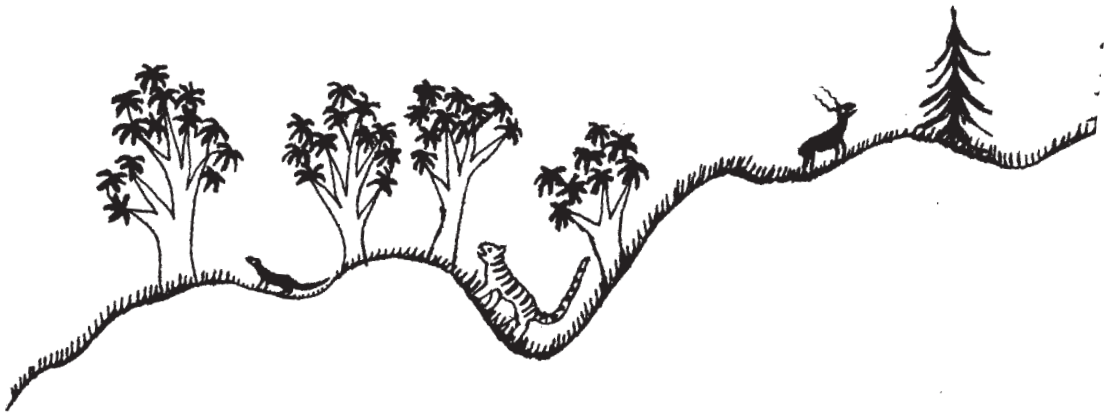

In the morning the lion came out,
swishing his tail –
which was no longer green, but orange as a flower,
orange as a butterfly,
orange as the setting sun.
"Lion, Lion!" the bird chirped, astonished.
"Why is your tail so orange?"
Again, the lion did not understand the bird.
He smiled at her
and climbed over the hill

शिखर पर नीले-चमकीले आसमान के
नीचे एक नीली झील भी थी।
शेर ने अपने पंजों की थकान मिटाने के लिए उन्हें
झील के ठंडे पानी में धोया।
चिड़िया यह सब कुछ टकटकी लगाए देखती रही।
दिन ढलते समय शेर शिखर से उतरकर
पहाड़ी से नीचे अपनी गुफा में आया।
चिड़िया पास के पेड़ पर अपने घोंसले में आराम करने लगी।
शेर की पूंछ नारंगी कैसे हुई?
वह इस के बारे में अटकलें लगाने लगी।

and up the mountain
to a deep blue lake
beneath a bright blue sky,
where he soaked his tired paws
while the bird watched nearby.
At the end of the day
the lion climbed
back down the mountain,
over the hill,
and home to his cave.
The bird settled down in the tree,
wondering, as the sky darkened,
about the lion and his orange tail.

सुबह के समय
शेर की पूंछ का रंग फिर बदल गया था।
उसकी पूंछ अब नारंगी नहीं थी।
पूंछ का रंग अब स्वच्छ आसमान जैसा नीला था।
पूंछ अब पहाड़ी झील के निर्मल जल की तरह नीली थी।
"शेर, शेर," चिड़िया चहचहाई,
"तुमने अपनी पूंछ का रंग नारंगी से नीला कैसे बदला?
क्या तुम कोई जादूगर हो?"

But in the morning
the lion's tail was no longer orange.
It was as blue as a the brightest blue sky,
blue as the deep mountain lake where he'd soaked his paws.
"Lion, Lion!" the bird chirped, enchanted.
"How did your tail change from orange to blue?
Are you a magician?"

शेर केवल मुस्कराया
और फिर एक जंगली झाड़ी की ओर बढ़ा।
झाड़ी में चमकीले, लाल-सुर्ख बेर लगे थे।
बेर देखने में सुंदर थे, पर थे एकदम खट्टे।
"शेर," चिड़िया मुंह बनाते हुए चहचहाई,
"बेर इतने खट्टे हैं कि इन्हें खाना भी मुश्किल है!
जब ये पक जाएं उसके बाद ही तुम इन्हें तोड़ना।"
शेर चिड़िया की बोली समझ नहीं पाया।
वह सिर्फ मुस्कराया।

The lion just smiled
and ambled over to a bush
full of shiny red berries.
They were beautiful berries, but very sour.
"Lion," the bird chirped, making a face,
"these berries are still too sour to eat!
Why don't you pick them when they are ripe?"
The lion just smiled,

वह चिड़िया की बात तो समझ नहीं पाया,
पर उसे उस नन्हीं लाल चिड़िया का
चहचहाना बहुत पसंद आया।
पूरी दोपहर शेर बेर तोड़ता रहा।
इस बीच चिड़िया पास के खेत में
सूरजमुखी के बीज कुतरती रही।

thinking how much he liked
the bird's chirping company.
All afternoon the lion picked berries
while the bird nibbled sunflower seeds nearby.

बीच में शेर के पंजे में
बेर की झाड़ी का कांटा चुभ गया।
चिड़िया ने बड़ी सावधानी से
उस कांटे को अपनी चोंच से खींचकर निकाला।
सूरज ढलते ही शेर अपनी पूंछ हिलाते हुए
वापस गुफा में घुस गया।
चिड़िया भी अपने घोंसले में आराम करने लगी।
कल सुबह शेर की पूंछ किस रंग की होगी?
चिड़िया अटकलें लगाने लगी।
उसने शेर से कई सवाल पूछे थे।
वह उनका उत्तर चाहती थी।

Once, when the lion stepped on a thorn,
the bird pulled it out for him.
At sundown, the lion swished his tail good-bye
and returned to his cave.
The bird settled down in her nest.
She wondered what color the lion's tail
would be in the morning.
She wished he would answer her questions.

रात को एक भयानक तूफान आया।
जोरदार आंधी चली, बादल गरजे
और चकाचौंध बिजली चमकी।
धुंआधार बारिश चिड़िया के
घोंसले को बहाकर ले गई।

During the night a storm came.
Thunder crashed and lightning flashed,
Rain swept away the bird's nest.

इनकी जोरदार गर्जन को सुनकर
शेर दौड़ता हुआ अपनी गुफा से बाहर आया।
वह झट से पेड़ के ऊपर चढ़ा।
वहां पर गीली, ठंडी, सहमी हुई
नन्हीं चिड़िया डर से कांप रही थी।
शेर ने नन्हीं चिड़िया को
सावधानी से अपने पंजों में उठाया।
फिर वह चिड़िया को अपनी
गुफा के अंदर ले गया।

Hearing the noise, the lion rushed out
and reached up into the tree
where the bird crouched, shivering and scared.
He lifted her down
and carried her into his cave,

गुफा अंदर से गर्म और रंगीन थी।
गुफा की सभी दीवारों पर
सुंदर रंगीन चित्र बने थे –

The cave was warm
and colorful.
The walls were filled
with pictures

हरा जंगल! नारंगी फूल!
बटरफ्लाई! ढलती शाम!
चमकीला नीला आसमान!
गहरी नीली झील!

of green forests, orange flowers,
butterflies, sunsets,
a bright blue sky,
and a deep blue lake.

"शेर, शेर!" चिड़िया खुशी से चहचहाई,
"ये तस्वीरें यहां पर कैसे आईं?
इन्हें किसने बनाया?"
शेर बस मुस्कराया।
उसने अपनी पूंछ को बेर के लाल रंग
वाले बर्तन में भिगोया।
फिर उसने अपनी पूंछ से,
बेर की झाड़ी पर चहचहाती लाल रंग की
एक नन्हीं चिड़िया का चित्र बनाया।

"Lion, Lion!" the bird chirped, delighted.
"How did these pictures get here?"
The lion smiled,
dipped his tail into a bowl
of shiny red berry juice,
and painted a picture of the bird,
chirping on a berry bush.
The bird sang while he painted.

शेर चित्र बनाता रहा
और चिड़िया चहचहाती रही।
वह मुक्त कंठ से खुशी के और
रंगों के गीत गाती रही।
शेर ने इतना सुंदर नजारा पहले
कभी नहीं देखा था।
चिड़िया के गीतों को सुनकर
शेर मंत्र-मुग्ध हो गया।
सुबह तक तूफान थम गया।

She sang a song without any questions,
full of color and joy.
The lion had never heard anything so unusual
and so pretty.
Just listening made him happy.
In the morning, the storm was past.

सूरज फिर से धरती पर अपनी
सुनहरी किरणें बिखेरने लगा।
आज सुबह शेर की पूंछ का रंग लाल था।
नन्हीं चिड़िया को शेर की पूंछ के
लाल होने का रहस्य अब पता था।
चिड़िया अपना गीत गाती रही।
वह सोच रही थी,
"आज रात शेर कौन-सा चित्र बनाएगा?"
❐

The world shone fresh and bright.
The lion's tail was berry red,
and the little bird knew why.
She sang her happiest song
and wondered what
the lion would paint
that night.
❐

शेर की पूंछ का रंग रोज-रोज बदल रहा था। पहले वह पूंछ हरी थी, फिर नारंगी हुई, फिर आसमानी नीला और अब लाल। क्या था शेर की पूंछ के रंगीन होने का राज– यह जानने के लिए नन्हीं लाल चिड़िया बेचैन थी। जब शेर और नन्हीं चिड़िया एक-दूसरे के संपर्क में आए तो इस तरह घुलमिल गए कि पूछो मत। फिर तो उनके आनंद की सीमा न रही।

भारत ज्ञान विज्ञान समिति